बालोगुन के रेड कार्ड विवाद पर ट्रंप की टिप्पणी के बाद रेफरी क्लास के समर्थन में उतरा फीफा

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 में अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को मिले रेड कार्ड को लेकर विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्राज़ीलियाई रेफरी राफेल क्लास की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के बाद फीफा ने अपने रेफरी का खुलकर बचाव किया और कहा कि क्लास विश्व के सर्वश्रेष्ठ रेफरियों में से एक हैं तथा उनकी ईमानदारी और पेशेवर क्षमता पर संगठन को पूरा भरोसा है।

राउंड आफ-16 से पहले यह विवाद तब शुरू हुआ जब बालोगुन को बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ राउंड आफ-32 मुकाबले में वीएआर समीक्षा के बाद रेड कार्ड दिखाया गया था। रेफरी क्लास ने बालोगुन को तारिक मुहरेमोविच के टखने पर स्टड मारने का दोषी मानते हुए मैदान से बाहर भेज दिया था।

हालांकि बाद में फीफा ने बालोगुन पर लगी एक मैच की पाबंदी हटा दी, जिससे वह बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध हो गए।

ट्रंप ने रेफरी पर उठाए सवाल - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इस फैसले की समीक्षा कराने को कहा था। उन्होंने राफेल क्लास पर निशाना साधते हुए कहा, अगर आप उनके पुराने रिकार्ड देखें तो वे थोड़े संदिग्ध लगते हैं। हालांकि ट्रंप ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस कारण या उदाहरण नहीं दिया।

फीफा ने दिया रेफरी का साथ - फीफा ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, राफेल क्लास विश्व के प्रमुख पेशेवर रेफरियों में शामिल हैं और फीफा विश्व कप में टीम वन (फीफा के एलीट रेफरी समूह) के सम्मानित सदस्य हैं। अपने पूरे करियर में उन्होंने लगातार उच्चतम स्तर की पेशेवरता और ईमानदारी का परिचय दिया है।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के दौरान रेफरियों के मीडिया से बात न करने की नीति के तहत क्लास इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

इंफैन्टिनो बोले- रेफरियों का सम्मान जरूरी - फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैन्टिनो ने कहा, मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि हमें रेफरियों और खेल के नियमों का सम्मान करना चाहिए। यह बहुत सरल बात है और इसे कभी भी कम करके नहीं आंका जा सकता। रेफरी नहीं होंगे तो फुटबाल भी नहीं होगा।

न्यूज ब्रीफ

युवराज को पिता के बयानों के लिए माफी मांगने की जरुरत नहीं : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि युवराज सिंह को अपने पिता योगराज सिंह के विवादित बयानों को लेकर माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है। योगराज ने कई अवसरों पर कपिल को लेकर कई आरोप लगाए थे और कहा था कि उन्हें कपिल ने ही पहले नॉर्थ जोन फिर हरियाणा और अंत में भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद टीम से बाहर करवाना और उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त किया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि उनके बेटे युवराज के पास कपिल से अधिक ट्राफियां हैं। पिता के इस प्रकार के बयानों के लिए युवराज ने कपिल से मांफी मांगी थी। कपिल ने युवराज की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, युवराज को माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। वह एक महान क्रिकेटर हैं, जिन्होंने खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। रिकॉर्ड बनते-टूटते रहते हैं पर जिस में युवराज खेले, लोगों ने उन पर खूब प्यार लुटाया। कपिल ने योगराज को अपने बचपन का दोस्त बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें कठोर स्वभाव के लोग पसंद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में बहुत कुछ होता है, लेकिन व्यक्ति को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही कहा कि योगराज के बेटे ने देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें खुश रहना चाहिए। साथ ही कहा कि किसी व्यक्ति का स्वभाव उसकी प्रतिक्रिया से पता चलता है। उन्होंने कहा, आपको जिंदगी में सब चीजें नहीं मिलतीं पर उसके कारण किसी को भी कुछ भी कह देन ठीक नहीं है। अउकर कोई उग्र प्रतिक्रिया दे तो आप क्या करेंगे। कपिल ने योगराज को उनकी उपलब्धि याद दिलायी और कहा, कितने लोग हैं, जिन्होंने योगराज की तरह देश के लिए क्रिकेट भी खेला और अभिनय भी किया। इस तरह देखें तो उन्होंने कई लोगों से ज्यादा कुछ हासिल किया। इसके बाद भी अगर आप नाखुश हैं तो फिर कुछ नहीं किया जा सकता।

फीफा विश्व कप 2026: क्वार्टर फाइनल की तस्वीर लगभग साफ, छह टीमों ने अंतिम-8 में बनाई जगह

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में क्वार्टर फाइनल की तस्वीर अब लगभग पूरी तरह साफ हो गई है। राउंड आफ-16 के शुरुआती मुकाबलों के बाद छह टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी दो स्थानों का फैसला होने वाले मुकाबलों के बाद होगा। अब तक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों में मोरक्को, फ्रांस, नार्वे, इंग्लैंड, स्पेन और बेल्जियम शामिल हैं। मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराकर सबसे पहले अंतिम-8 का टिकट कटाया। इसके बाद फ्रांस ने पराग्वे को 1-0 से मात दी। सबसे बड़ा उलटफेर नार्वे ने किया, जिसने पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया, जबकि स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

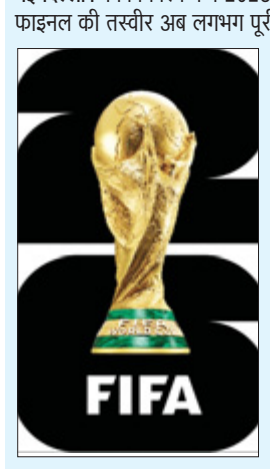

नेट अभ्यास में लगी चोट के बाद भी वैभव ने दिखाया जबरस्त जज्बा, पांच मिनट बाद ही बल्लेबाजी कर लगाये चौके और छक्के

ट्रेंटब्रिज। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले से पहले नेट अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी गंभीर चोट का शिकार होते-होते बाल-बाल बचे। यहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर अभ्यास के दौरान एक गेंद उन्हें लग गयी थी। इसके बाद वह दर्द से परेशान दिखे हालांकि इसके बाद भी इस उभरते हुए खिलाड़ी ने असाधारण जज्बा दिखाया और पांच मिनट के अंदर ही दोबारा बल्लेबाजी करने लगे। वैभव को उस उस समय मशहूर थ्रो-डाउन स्पेशलिस्ट रघु अभ्यास करा रहे थे। रघु ने वैभव की परीक्षा के लिए एक बेहद तेज बाउंसर फेंकी। वैभव इस लेंथ गेंद पर पुल शाट खेलने गए पर गेंद की रफ्तार और अतिरिक्त उछाल के कारण वह इससे खेलने में विफल रहे और गेंद सीधे उनके पेट और छाती के बीच लगी। इससे वैभव दर्द के कारण् घुटनों के बल बैठ गये। सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी वैभव के पास पहुंचे और उन्हें संभाला। फिजियो ने तुरंत उनकी चोट का देखा। सभी तनाव में आ गये पर राहत की बात ये रही की वैभव की चोट गंभीर नहीं निकली और उन्होंने फिर से बल्लेबाजी शुरु कर दी। मैदान पर वापसी करते ही वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक अंदाज में खेला उससे मेजबान टीम को ये संदेश गया कि वह खेलने के लिए तैयार हैं। चोट लगने के बावजूद वैभव के फुटवर्क और आक्रामकता में जरा भी कमी नहीं आई।

फीफा विश्व कप 2026 : नस्लीय टिप्पणी पर भड़के एमबाप्पे, पैराग्वे की सीनेटर को बताया घृणित महिला

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड आफ-16 में फ्रांस की जीत के बाद पैराग्वे की सीनेटर सेलेस्टे अमारिला द्वारा की गई नस्लीय टिप्पणी पर फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एमबाप्पे ने सीनेटर को घृणित महिला बताते हुए कहा कि वह अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के योग्य नहीं हैं। इस विवाद के बाद फ्रांसीसी फुटबाल महासंघ (एफएफएफ), पैराग्वे सरकार, फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय और पैराग्वे की संसद ने भी अमारिला के बयान की कड़ी निंदा की है। राउंड आफ-16 मुकाबले में एमबाप्पे के पेनाल्टी गोल की बदौलत फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। मैच के बाद अमारिला ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एमबाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी करते हुए उन्हें कैमरून मूल का उपनिवेशित व्यक्ति, जो खुद को फ्रांसीसी साबित करने की कोशिश कर रहा है और जंगली तक कह दिया। उन्होंने यह भी लिखा कि पैराग्वे के खिलाड़ियों को मैच के बाद एमबाप्पे को थप्पड़ मार देना चाहिए था।

एमबाप्पे ने सोशल मीडिया पर इसका जवाब देते हुए लिखा

सेलेस्टे अमारिला, आप एक घृणित महिला हैं और अपने पद के योग्य नहीं हैं। आप उस पैराग्वे का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं जिसने पूरे विश्व कप में जुनून और सम्मान के साथ खेला। उन्होंने आगे कहा, आपकी लापरवाही और खुलेआम किए गए नस्लवाद की वजह से दुनिया अब आपके खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन को भूलकर एक अयोग्य महिला को याद कर रही है, जिसने अपने देश की सबसे खराब छवि पेश की है। मैं कभी भी ऐसे लोगों को दुनिया में नफरत और नस्लवाद फैलाने की आजादी नहीं दूंगा।

फ्रांसीसी फुटबाल महासंघ करेगा कानूनी कार्रवाई

फ्रांसीसी फुटबाल महासंघ (एफएफएफ) ने इस मामले को गंभीर बताते हुए आपराधिक शिकायत दर्ज कराने की घोषणा की। महासंघ ने कहा, ये टिप्पणियां पूरी तरह घृणित, अस्वीकार्य और आपराधिक हैं। इन पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। हम इस मामले को अभियोजन कार्यालय के पास भेज रहे हैं ताकि कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा सके। एफएफएफ ने आगे कहा, ऐसी टिप्पणियां न केवल उन्हें शर्मसार करती हैं जिन्होंने इन्हें कहा, बल्कि उन लोगों को भी जो इन्हें फैलाते हैं। फ्रांस की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फ्रांस का प्रतिनिधित्व करते हैं और यह हमारे देश का अपमान है।

पैराग्वे सरकार ने भी किया बयान से किनारा

पैराग्वे सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि वह अमारिला की टिप्पणियों की निंदा करती है। सरकार ने कहा, हम इन बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। ये हमारे देश द्वारा मानव गरिमा, सम्मान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के मूल्यों के बिल्कुल विपरीत हैं। बयान में यह भी कहा गया, ये टिप्पणियां संबंधित सांसद की व्यक्तिगत जिम्मेदारी हैं और किसी भी तरह से पैराग्वे सरकार या पैराग्वे की जनता की आधिकारिक राय का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं।

फ्रांस के राष्ट्रपति कार्यालय की प्रतिक्रिया फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि पैराग्वे के राष्ट्रपति ने मैक्रों को पत्र लिखकर इस घटना पर खेद व्यक्त किया और नस्लीय टिप्पणियों की निंदा की है।

पैराग्वे संसद अध्यक्ष ने भी जताई नाराजगी

पैराग्वे संसद के नेता बासिलियो नुनेज़ ने कहा, मैं नस्लीय, विदेशी विरोधी और हिंसा भड़काने वाले सभी बयानों की कड़ी निंदा करता हूं। ये पैराग्वे के वास्तविक मूल्यों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

उन्होंने आगे कहा, विश्व कप में पैराग्वे की टीम ने सम्मान और जज्बे के साथ खेला। राजनीति और खेल को अलग रखा जाना चाहिए।

फ्रांस के सहायक कोच ने भी जताई नाराज़गी

फ्रांस के सहायक कोच गाय स्टीफन ने कहा, अभी तक हमारी एमबाप्पे से बात नहीं हुई है, लेकिन तीन शब्दों में कहूं तो यह शर्मनाक, घिनौना और पूरी तरह अस्वीकार्य है।

महिला यूथ हाकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप प्रशिक्षण शिविर के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने मंगलवार को ओमान के मस्कट में होने वाली पहली महिला यूथ हाकी-5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों के लिए 15 सदस्यीय सब जूनियर महिला समूह की घोषणा कर दी है।

चयनित खिलाड़ी भोपाल के मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में 4 जुलाई से 18 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा ले रही हैं।यह शिविर भारतीय महिला हाकी टीम की पूर्व कप्तान और सब जूनियर महिला टीम की मुख्य कोच रानी की निगरानी में चल रहा है। शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को हाकी-5 के तेज़ और अलग प्रारूप के अनुरूप तैयार करना है। हाकी इंडिया के अनुसार भोपाल अब देश में हाकी के प्रमुख उच्च प्रदर्शन केंद्र के रूप में उभर रहा है। इससे पहले भी यहां सब जूनियर राष्ट्रीय शिविर और अंडर-18 एशिया कप की तैयारियां कराई जा चुकी हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा रही है। कोच रानी ने कहा कि महिला यूथ हाकी-5 एशियाई चैंपियनशिप युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर है। उन्होंने कहा कि चूंकि सब जूनियर टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है, इसलिए खिलाड़ियों को हाकी-5 के प्रारूप की तकनीकी और सामरिक बारीकियों से परिचित कराने के साथ उनकी बुनियादी क्षमताओं को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए मध्य प्रदेश सरकार का भी आभार व्यक्त किया। हाकी इंडिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर देश में मजबूत प्रतिभा विकास प्रणाली तैयार करने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। इसी वर्ष अंडर-18 एशिया कप 2026 से पहले भी सब जूनियर खिलाड़ियों के लिए एक महीने का राष्ट्रीय शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीता था। संस्था का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसर देकर उन्हें भविष्य में जूनियर और सीनियर राष्ट्रीय टीमों के लिए तैयार करना है।

प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित खिलाड़ी

रश्मीन कौर, रुबीना बक्सला, नैन्सी सरोहा, पुष्पा मांझी, खिली कुमारी, किरण एक्का, स्वीटी कुजूर, स्नेहा दावड़े, नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी, नीलम टोपनो, प्रियंका मिंज, दिया, संदीपा कुमारी और महक परिहार।

आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने पुरुषों को टी20 खिताब जीतने के मामले में पीछे छोड़ा

सिडनी। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने विश्व क्रिकेट में कई बड़े रिकार्ड अपने नाम किये हैं। यहां तक कि पुरुष टीमों को भी पीछे छोड़ दिया है। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने टी20 विश्व कप में जितने खिताब जीते हैं उतने भारत, पाकिस्तान और स्वयं आस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों ने मिलकर भी नहीं जीते हैं। इससे साफ है कि आस्ट्रेलियाई महिला टीम सबसे आगे हैं। आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रिकार्ड सातवीं बार टी20 खिताब जीता है। टीम कुल आठ बार फाइनल में पहुंची है और उनमें से सात बार चैंपियन बनी है। इस टूर्नामेंट के इतिहास में उन्हें सिर्फ एक बार वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है, जो इस बात को साबित करता है कि महिला क्रिकेट में आस्ट्रेलिया का दबदबा है। आस्ट्रेलिया की महिला टीम के इन सात टी20 विश्व कप खिताबों के मुकाबले, भारत, पाकिस्तान और खुद आस्ट्रेलिया की पुरुष टीमें मिलकर भी इतने खिताब नहीं जीत पाई हैं। इन तीनों दिग्गज टीमों ने अब तक कुल तीन टी20 विश्व कप खिताब जीते हैं - भारत ने एक बार, पाकिस्तान ने एक बार और आस्ट्रेलिया ने भी एक बार।

23 जुलाई से शुरु होंगे राष्ट्रमंडल खेल, भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं।

हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फार्म को दर्शाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा।

इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।यह साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कप को कहा अलविदा, बोले- यह मेरा आखिरी फीफा वर्ल्ड कप था

आर्लिंग्टन

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप था। स्पेन से राउंड आफ-16 में 0-1 की हार के बाद भावुक रोनाल्डो ने कहा कि वह विश्व कप को अलविदा कह रहे हैं, लेकिन अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर कोई जल्दबाजी में फैसला नहीं लेंगे।

मैच के बाद मीडिया से बातचीत में रोनाल्डो ने कहा कि स्पेन को जीत में थोड़ी किस्मत का साथ मिला और मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था।

उन्होंने कहा, इस तरह विश्व कप से बाहर होना मेरे लिए बेहद दुखद है। मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया। अपनी ओर से पूरी कोशिश की और मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं कि मैंने कोई कमी नहीं छोड़ी। हां, यह मेरा आखिरी विश्व कप था, लेकिन अब मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगा और शांति से आगे के बारे में सोचूंगा। मैं कोई भी फैसला जल्दबाज़ी में नहीं लूंगा।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह पुर्तगाल के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था या नहीं। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनका व्यक्तिगत फैसला टीम के अभियान पर हावी हो जाए। उन्होंने कहा, मैं भावनाओं में बहकर फैसले नहीं करता। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने सफर पर गर्व जताते हुए कहा कि उन्होंने देश को वह उपलब्धियां दिलाईं, जो पहले कभी नहीं मिली थीं। उन्होंने कहा, मैंने पुर्तगाल के लिए तीन बड़े खिताब जीते। क्रिस्टियानो रोनाल्डो से पहले पुर्तगाल ने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था। राष्ट्रीय टीम के साथ 2016 में जीती गई यूरोपीय चैम्पियनशिप मेरे लिए विश्व कप जीतने जितनी ही बड़ी उपलब्धि है। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के साथ ही मुख्य कोच रोबर्टो मार्टिनेज का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। रोनाल्डो ने उनके लिए भी सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह शानदार कोच और बेहतरीन इंसान हैं। उन्होंने पुर्तगाल के लिए जो किया, उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिए। मैं उनका धन्यवाद करता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

अल-नस्र के स्टार फारवर्ड ने अंत में कहा, किसी बड़े टूर्नामेंट से बाहर होना हमेशा दुख देता है। यह विश्व कप था और हमारी टीम लगातार बेहतर खेल रही थी। मेरी नजर में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। मुकाबला किसी भी तरफ जा सकता था, लेकिन यही फुटबाल है। हमें इस हार से उबरकर आगे बढ़ना होगा। इस तरह बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन हमें गर्व के साथ सिर ऊंचा रखकर आगे बढ़ना चाहिए।